Tattvarthadhigam Sutram Part 01

Folder No.	022485
Granth Name	Tattvarthadhigam Sutram Part 01
Author	Rajshekharsuri, Dharmshekharvijay, Divyashekharvijay
Publisher	Arihant Aradhak Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	410

તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૧

ફોલ્ડર નં.	૦૨૨૪૮૫
ગ્રન્થ	તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૧
લેખક	રાજશેખસૂરિ, ધર્મશેખવિજય, દિવ્યશેખરવિજય
પ્રકાશક	અરિહંત આરાધક ટ્રસ્ટ
આવૃત્તિ	૧
પ્રકાશન વર્ષ	૨૦૧૪
પૃષ્ઠ	૪૧૦

મુખ્ય ટાઈટલ

સુકૃતમ્ ---------- ૨
ભૂમિકા ---------- ૩
સંપાદકની સંવેદના ---------- ૧૧
પહેલો અધ્યાય ---------- ૧૯
તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્ર ---------- ૨૧
વિષયાનુક્રમ---------- ૬૧
સૂત્ર-૧ सम्यग्दर्शनचारित्राणि मोक्षमार्ग ---------- ૧
સૂત્ર-૨ तत्त्वार्थश्रद्धानं सम्यग्दर्शनम् ---------- ૧૫
સૂત્ર-૩ तन्निसर्गादधिगमाद्वा ---------- ૨૪
સૂત્ર-૪ जीवाजीवाश्रवबन्ध ---------- ૪૩
સૂત્ર-૫ नामस्थापनाद्रव्यभाव ---------- ૪૯
સૂત્ર-૬ प्रमाणनयैरधिगम ---------- ૬૯
સૂત્ર-૭ निर्देशस्वामित्वसाधनाकिरण ---------- ૭૫
સૂત્ર-૮ सत्ङ्ख्याक्षेत्रस्पर्शनकाल ---------- ૧૧૦
સૂત્ર-૯ मतिश्रुतावधिमनःपर्यायकेवलानि ज्ञानम् ---------- ૧૪૭
સૂત્ર-૧૦ तत् प्रमाणे ---------- ૧૫૧
સૂત્ર-૧૧ आद्ये परोक्षम् ---------- ૧૫૨
સૂત્ર-૧૨ प्रत्यक्षमन्यद् ---------- ૧૫૮
સૂત્ર-૧૩ मतिः स्मृतिः संज्ञा चिन्ता ---------- ૧૬૬
સૂત્ર-૧૪ तदिन्द्रियानिन्द्रियनिमित्तम्---------- ૧૬૮
સૂત્ર-૧૫ अवग्रहेहापायधारणा ---------- ૧૭૩
સૂત્ર-૧૬ बहुबहुविधक्षिप्रानिश्रिता ---------- ૧૮૩

सूत्र-१७ अर्थस्य ---------- १८९
सूत्र-१८ व्यञ्जनस्यावग्रह ---------- १९०
सूत्र-१९ न चक्षुरिन्द्रियाभ्यां ---------- १९३
सूत्र-२० श्रुतं मतिपूर्वं द्व्यनेकद्वादशभेदम् ---------- १९६
सूत्र-२१ द्विविधोवधि ---------- २१६
सूत्र-२२ भवप्रत्ययो नारकदेवानाम् ---------- २१७
सूत्र-२३ यथोक्तनिमित्तः षड्विकल्प ---------- २२०
सूत्र-२४ ऋजुविपुलमती मनःपर्याय ---------- २३१
सूत्र-२५ विशुद्ध्यप्रतिपाताभ्यां तद्विशेष ---------- २३३
सूत्र-२६ विशुद्धिक्षेत्रस्वामिविषयेभ्यो---------- २३६
सूत्र-२७ मतिश्रुतयोर्निबन्ध ---------- २४२
सूत्र-२८ रूपिष्ववधे ---------- २४४
सूत्र-२९ तदनन्तभागे मनःपर्यायस्य ---------- २४५
सूत्र-३० सर्वद्रव्यपर्यायेषु केवलस्य ---------- २४७
सूत्र-३१ एकादिनी भाज्यानि युगपदे ---------- २५१
सूत्र-३२ मतिश्रुताविभङ्गा विपर्ययश्च ---------- २६०
सूत्र-३३ सदसतोरविशेषाद् यदृच्छोप---------- २६४
सूत्र-३४ नैगमसङ्ग्रहव्यवहारऋजुसूत्र ---------- २६८
सूत्र-३५ आद्यशब्दौ द्वित्रिभेदौ ---------- २६९